भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. **+3403**
सोमवार, **9** दिसम्बर, **2019/18** अग्रहायण, **1941** (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

कश्मीर में पर्यटन परियोजनाओं को बढ़ावा देना

+3403. डॉ॰ अमर सिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की कश्मीर से धारा **370** हटाए जाने के पश्चात् पर्यटकों पर लगे दो महीने के प्रतिबंध के बाद हुई राजस्व हानि की भरपाई का विचार है**;**
(ख) यदि हां**,** तो इस हेतु प्रोत्साहक परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है**;** और
(ग) यदि नहीं**,** तो इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) **(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)**

(क) से (ग)**:** पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड-लाइन के तहत भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। मंत्रालय अपने जारी कार्यकलापों के एक भाग के रूप में जम्मू और कश्मीर सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों तथा उत्पादों के संवर्धन के लिए पर्यटक सृजक और सम्भावित मार्केटों में रोड शोज का आयोजन करता है तथा अन्तर्राष्ट्रीय और घरेलू मार्केटों में वार्षिक रूप से प्रिंट**,** इलेक्ट्रॉनिक**,** ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। इसके अतिरिक्त भारत और विदेश स्थित भारत पर्यटन कार्यालय देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों एवं उत्पादों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं तथा सूचना का प्रसार करते हैं।

मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन और प्रशाद की योजनाओं के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए जम्मू और कश्मीर सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय अभिकरणों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने उपरोक्त योजनाओं के तहत 611.21 करोड़ रुपये से 7 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। ब्यौरे **अनुबंध** पर हैं। ये परियोजनाएं कार्यान्वयन/पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर हैं। इन परियोजनाओं के एक बार पूरा होने से जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की सम्भावना की जाती है।

वर्तमान में जारी अपने संवर्धनात्मक कार्यकलापों के एक भाग के रूप में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने अक्टूबर, 2019 में पर्यटन पर्व का आयोजन किया जिसमें जम्मू और कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के पर्यटन गंतव्यों/उत्पादों का संवर्धन किया गया।

इसके अतिरिक्त जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार जम्मू और कश्मीर में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संवर्धनात्मक अभियान लाँच किए गए हैं।
- जम्मू एवं कश्मीर की पर्यटन क्षमता के व्यापक प्रचार हेतु विभिन्न प्रतिषठित राष्ट्रीय समाचार-पत्रों के माध्यम से एक वृहत अभियान लाँच किया गया है।
- देश भर में चलने वाली विभिन्न रेल गाड़िओ में ट्रेन रैप के माध्यम से संवर्धनात्मक अभियान जारी किया गया है।
- जम्मू और कशमीर पर्यटन विभाग राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर पर्यटन के संवर्धन हेतु वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट (डब्ल्यूटीएम), लंदन, भारतीय टूर ऑपरेटर संघ के वार्षिक सम्मेलन (आईएटीओ), इंडिया ट्रैवल मार्ट (आईटीएम), यात्रा एवं पर्यटन मेले (टीटीएफ) आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ट्रैवल मार्टस में भाग ले रहा है।
- दिल्ली तथा मुम्बई हवाईअड्डों में प्रमुख स्थानों पर एलईडी के माध्यम से संवर्धनो की शुरुआत की गई।

****

अनुबंध

कश्मीर में पर्यटन परियोजनाओं को बढ़ावा देना के सम्बन्ध में दिनांक 09.12.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या +3403 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण।**

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**योजनाएं**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	स्वदेश दर्शन	हिमालयन परिपथ के अन्तर्गत पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का एकीकृत विकास	**82.97**
2.	स्वदेश दर्शन	हिमालयन परिपथ थीम के तहत जम्मू-राजौरी-शोपियान-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	**96.38**
3.	स्वदेश दर्शन	वर्ष **2014** में बाढ़ से हुई तबाही के एवज में परिसंपत्तियों के निर्माण के तहत पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	**98.70**
4.	स्वदेश दर्शन	हिमालयन परिपथ थीम के तहत मंतालाई- सुधमहादेव-पटनीटॉप में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	**97.82**
5.	स्वदेश दर्शन	हिमालयन परिपथ थीम के तहत अनंतनाग-किश्तवार-पहलगाम-दकसुम-रंजीत सागर बांध पर पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	**96.39**
6.	स्वदेश दर्शन	हिमालयन परिपथ थीम के तहत गुलमर्ग -बारामुला- कुपवाड़ा-लेह में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	**96.93**
7.	प्रशाद	हजरतबल का विकास	**42.02**
		कुल	611.21

****